



भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ

(भारतीय सहकारी आंदोलन की शीर्षस्थ संस्था)

NATIONAL COOPERATIVE UNION OF INDIA

(APEX ORGANISATION OF THE INDIAN COOPERATIVE MOVEMENT)

दिलीप संघाणी

(पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री गुजरात सरकार)
अध्यक्ष

Dileep Sanghani

(Ex. MP & Ex. Minister, Govt. of Gujarat)
President

New Year Message

On behalf of National Cooperative Union of India, I would like to wish you all a very happy and prosperous NEW YEAR 2021. May the New Year bring lots of joy and happiness in your lives.

During the year 2020, the whole world including India was badly hit by corona pandemic which no one had ever visualized. The world economy was hit badly resulting in loss of jobs, and all economic activity came to a standstill. The cooperative sector too was also badly affected, but the cooperative organizations rose to the occasion to show tremendous resilience as they served the needs of the poor and deprived sections of the society in crisis in a best possible manner. Besides giving adequate monetary assistance, they also provided the much needed social service by distributing food, sanitizers and other essential commodities among the people. All cooperative organizations like NCUI, AMUL, IFFCO, KRIBHCO, and MARKFEDs spared no effort to ensure that essential commodities reached the doorsteps of people in need despite disruptions in supply chain network as people have full faith in the products and services provided by cooperatives. In fact, cooperatives in India emerged stronger during the covid pandemic.

Our Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi's call for Atmanirbhar Bharat in the wake of corona pandemic provided many opportunities to cooperatives to emerge as key institutions for building a self-reliant India. The cooperatives are quite capable in implementation of various schemes and programmes under the 20 lakh crore Atmanirbhar package.

During the year 2020, NCUI continued to play an important role in strengthening the cooperative movement. The covid pandemic did not deter NCUI's resolve to create a meaningful impact through its education and training programmes. Through effective use of online platforms, which provided an opportunity to connect with a large

3, सीरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, हौज़ खास, नई दिल्ली-110016

3, Siri Institutional Area, August Kranti Marg, Hauz Khas, New Delhi-110016

दूरभाष / Phones : 011- 40616370, 49846339 फ़ैक्स / Fax : 011 - 41811153

ई-मेल / E-mail: ncuiresident@gmail.com, Website : www.ncui.coop

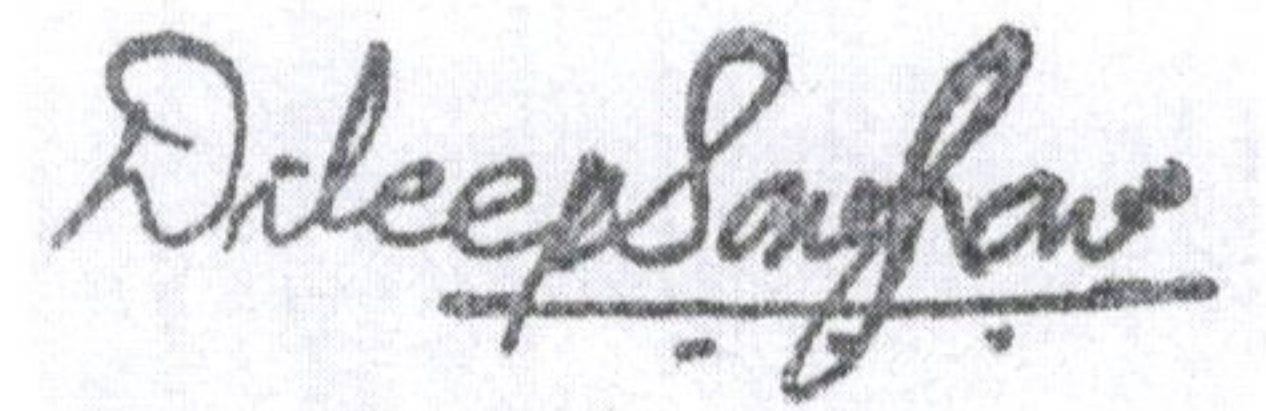
:2:

number of participants more particularly women and youth, the training programs expanded their horizons by touching upon new areas like digital technologies, cyber security, etc.

I am sure that with your support and guidance we will be able to successfully address the challenges and take the cooperative movement to a great heights.

I once again extend on my own behalf and on behalf of the Governing Council of NCUI, a very happy, healthy and prosperous New Year.

Jai Hind, Jai Sarkar



Dilip Sanghani
President



भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ

(भारतीय सहकारी आंदोलन की शीर्षस्थ संस्था)

NATIONAL COOPERATIVE UNION OF INDIA

(APEX ORGANISATION OF THE INDIAN COOPERATIVE MOVEMENT)

दिलीप संघाणी

(पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री गुजरात सरकार)
अध्यक्ष

Dileep Sanghani

(Ex. MP & Ex. Minister, Govt. of Gujarat)
President

नववर्ष संदेश

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ की ओर से मैं आप सभी को एक बहुत ही खुशहाल और समृद्ध नव वर्ष 2021 की शुभकामनाएँ देता हूँ।

वर्ष 2020 के दौरान, भारत सहित पूरी दुनिया कोरोना महामारी से तबाह हो गई थी जिसकी किसी ने परिकल्पना भी नहीं की थी। विश्व अर्थव्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई, जिसके परिणामस्वरूप सभी आर्थिक गतिविधियाँ प्रभावित हुई और कई लोग बेरोजगार भी हो गये। सहकारी क्षेत्र भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ था, लेकिन सभी सहकारी संगठनों ने पर्याप्त मौद्रिक सहायता देने के अलावा, लोगों के बीच भोजन, सैनिटाइजर और अन्य आवश्यक वस्तुओं को वितरित करके बहुमूल्य सामाजिक सेवा भी प्रदान की जो सराहनीय है। भा.रा.सह.संघ, अमूल, इफको, कृभको, मार्कफेडस और अन्य सहकारी संगठनों ने यह सुनिश्चित किया कि आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क में व्यवधान के बावजूद आवश्यक वस्तुएं लोगों की चौखट तक पहुंच जाएं, क्योंकि लोगों को सहकारी समितियों द्वारा प्रदान किए गए उत्पादों और सेवाओं पर पूरा विश्वास है। वास्तव में, भारत में सहकारिता आंदोलन कोविड महामारी के दौरान काफी मजबूत हुई।

कोरोना महामारी के मद्देनजर हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान ने भारत को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रमुख संस्थानों के रूप में उभरने के लिए सहकारी समितियों को कई अवसर प्रदान किए। सहकारी समितियाँ 20 लाख करोड़ के आत्मनिर्भर पैकेंज के तहत विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सक्षम हैं। 1 लाख करोड़ के माध्यम से कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड द्वारा प्राथमिक सहकारी समितियों को अपनी वेयरहाउसिंग और कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं को मजबूत करने का अच्छा अवसर मिलेगा, ताकि किसानों के कृषि उत्पादों में मूल्यवर्धन हो, और वे अपनी उपज का सही मूल्य प्राप्त कर सकें।

3, सीरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, हौज़ खास, नई दिल्ली-110016

3, Siri Institutional Area, August Kranti Marg, Hauz Khas, New Delhi-110016

दूरभाष / Phones : 011- 40616370, 49846339 फैक्स / Fax : 011 - 41811153

ई-मेल / E-mail: ncuiresident@gmail.com, Website : www.ncui.coop

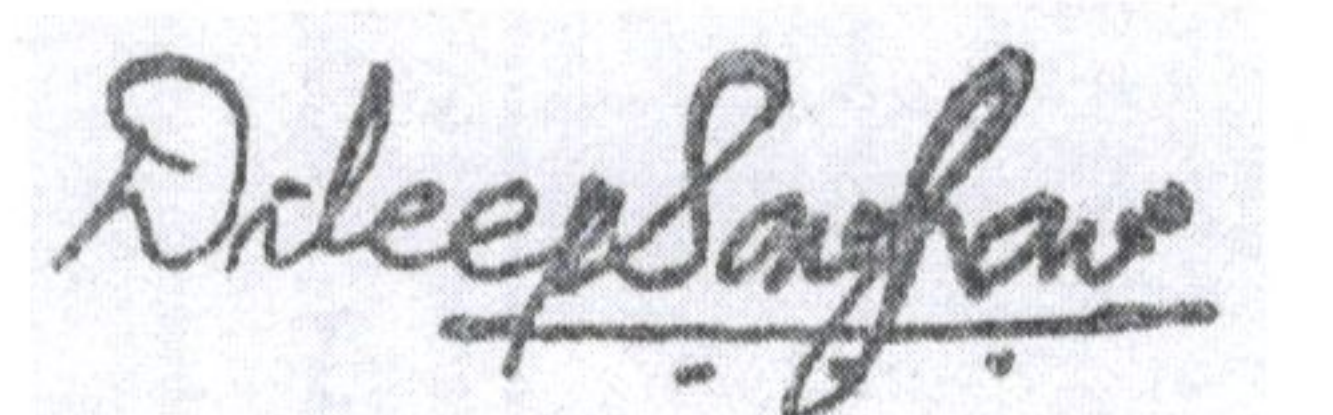
:2:

वर्ष 2020 के दौरान, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ ने सहकारी आंदोलन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोविड महामारी ने भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ को अपने शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से एक सार्थक प्रभाव पैदा करने के संकल्प से विचलित नहीं किया। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग के माध्यम से, जिससे बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं को जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ, प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने डिजिटल प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, आदि जैसे नए क्षेत्रों में प्रवेश कर अपने शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्षितिज का विस्तार किया।

भविष्य में, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के सामने कई चुनौतियाँ हैं, जैसे नए क्षेत्रों में कार्य उत्पादकता में सुधार, डिजिटल तकनीकों को अपनाना, सहकारी शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करना, संसाधनों के नए स्रोत तलाशना, सरकार और अन्य हितधारकों के साथ हमारे संबंधों को मजबूत करना, सहकारी आंदोलन के मुद्दों और समस्याओं को सरकार के समक्ष अच्छे तरीके रखना, ताकि व्यवहार्य समाधानों को तलाशा जाए, आदि। मुझे आशा ही नहीं वरन पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के सहयोग एवं मार्गदर्शन से इन चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए सहकारिता आंदोलन को एक नया आयाम देने में सफल होंगे।

अंत में पुनः एक बार मैं अपनी ओर से तथा समस्त शाषी परिषद की ओर से आप सभी को स्वस्थ और समृद्ध नव वर्ष 2021 की शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

जय हिन्द, जय सहकार।



दिलीप संघानी
अध्यक्ष